सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 308 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 19 दिसम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

बंधुओं! हम मौत को बुरा नहीं कहते, यदि हम जानते कि वास्तव में मरा कैसे जाता है। -श्री गुरु नानक देव

ठंड और कोहरे से कराहा उत्तर... 8 | निकाय चुनाव के सहारे 2024 पर... 3 | जमीन बेचने के नाम पर फर्जीवाड़ा... 7

दीपिका और शाहरुख के फीफा में स्वागत से पठान मूवी का विरोध कर रहे लोगों को लगा झटका

» संसद में पहुंचा पठान का बवाल, बसपा सांसद ने उठाया फिल्म का मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान और पठान मूवी की अभिनेत्री दीपिका पादुकोण का फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल में जोरदार स्वागत हुआ जिससे भारत में पठान फिल्म का विरोध करने वाले लोगों को करारा झटका लगा है। शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की आगामी फिल्म पठान पर इन दिनों देश में विवाद गर्माया हुआ है। फिल्म का पहला गाना बेशर्म रंग रिलीज होते ही सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक पठान को लेकर पुरजोर विरोध चल रहा है। चारों तरफ शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण को लेकर शिकायत दर्ज की जा रही हैं। यह अब एक ऐसा मुद्दा बन गया है, जिस पर एक बार फिर बॉलीवुड दो गुटों में बंट गया है। जहां कुछ लोग हिंदू संगठनों और उलेमाओं का समर्थन कर गाने को अश्लील बता रहे हैं, वहीं कुछ लोग फिल्म के पक्ष में बोल रहे हैं। वहीं फीफा में दीपिका और शाहरुख की जोड़ी को मिले समर्थन ने आलोचकों को करारा जवाद दिया है।

बता दें कि, हाल ही में रिलीज हुई शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की पठान के गाने बेशर्म रंग पर भाजपा के मंत्रियों ने दावा किया कि ट्रैक ने भगवा रंग का अपमान किया है, जो हिंदू समुदाय के लिए पवित्र माना जाता है। तभी से इस गाने को लेकर विवाद चल रहा है।

पठान के ट्रोल्स पर फूटा रत्ना पाठक का गुस्सा

हालांकि, स्वरा भास्कर समेत बाकी कई बॉलीवुड हस्तियां पठान के समर्थन में उतरीं हैं। अब पठान के पक्ष में रहने वालों की लिस्ट में रत्ना पाठक शाह का नाम भी शामिल हो गया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने पठान का विरोध करने वालों को जमकर फटकार लगाई है। उन्होंने कहा है कि

दीपिका पर फख्र है : सांसद दानिश अली

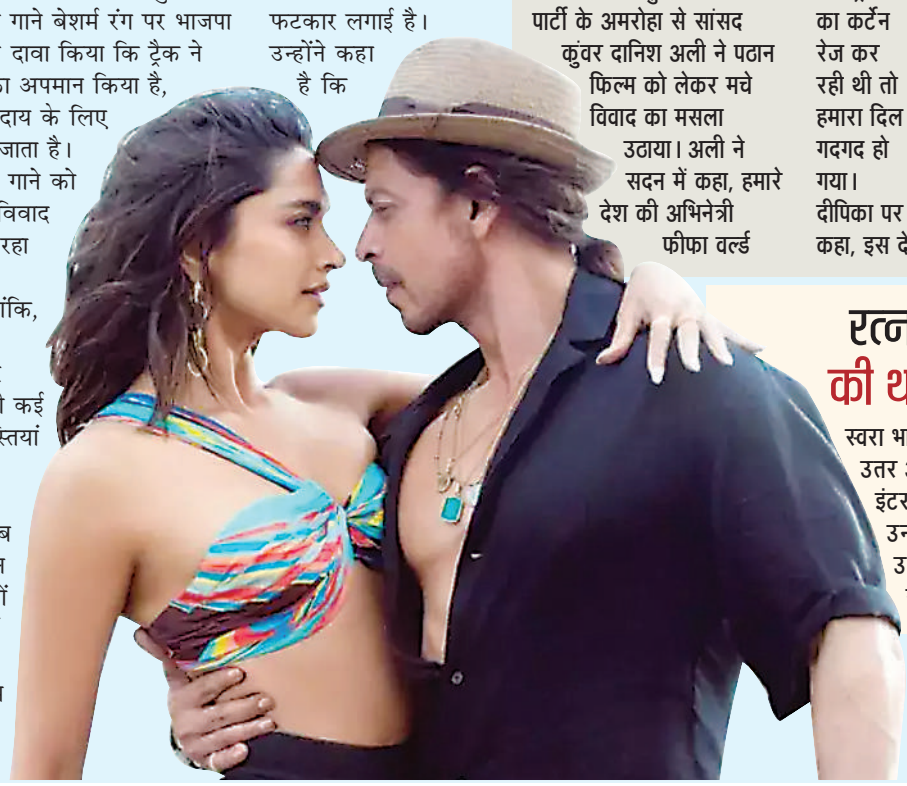

लोकसभा में बहुजन समाज पार्टी के अमरोहा से सांसद कुंवर दानिश अली ने पठान फिल्म को लेकर मचे विवाद का मसला उठाया। अली ने सदन में कहा, हमारे देश की अभिनेत्री फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी का कर्टन रेज कर रही थी तो हमारा दिल गदगद हो गया। दीपिका पर हमें फख्र है। उन्होंने कहा, इस देश में रंग को भी धर्म के आधार पर बांट रहे हैं। रंग के आधार पर फिल्मों को बैन करने की मांग शुरू हो गई है। कुंवर दानिश अली ने कहा कि फिर सेंसर बोर्ड किस लिए बना रखा है? सांसद ने कहा कि सनातन धर्म इतना कमजोर नहीं है कि कोई फिल्म में एक सीन से खतरे में आ जाएगा।

रत्ना पाठक शाह ने कहा-लोगों की थाली में खाना नहीं, लेकिन...

स्वरा भाष्कर के बाद एक और अभिनेत्री पठान मूवी के पक्ष में उत्तर आईं हैं। रत्ना पाठक शाह ने अपने हाल ही के एक इंटरव्यू में पाठान मूवी के ट्रोल्स पर जमकर गुस्सा उतारा है। उन्होंने कहा है कि लोगों की थाली में खाना नहीं है, मगर उसकी चिंता छोड़ वे अभिनेत्रियों की फिल्मी ड्रेस पर सवाल उठाने से नहीं चूक रहे हैं।

लोगों के पास अपनी थाली में खाना नहीं है लेकिन अभिनेत्री के पहनावे पर सवाल उठा रहे हैं। कहा है कि वह उस दिन का इंतजार कर रही हैं जब नफरत आखिरकार लोगों को थका देगी।

किसानों के अधिवेशन में भाजपा को घेरा, कहा- योगी के प्रोग्राम में टॉयलेट को रंगा भगवा, क्या ये अपमान नहीं?

भगवा के मुद्दे पर जमकर गरजे सांसद संजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शाहरुख खान की फिल्म पठान में भगवा रंग के इस्तेमाल को लेकर लगातार विवाद बढ़ता जा रहा है। भगवा रंग को लेकर सियासत लगातार तेज होती जा रही है। हिंदू संगठन शाहरुख खान की फिल्म पठान के विरोध में उठ खड़े हुए हैं। इसी बीच विपक्षी सियासी पार्टी भी भारतीय जनता पार्टी और हिंदू संगठनों को भगवा रंग के मुद्दे पर आड़े हाथों ले रही हैं।

आज राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा निशाना साधा। लखनऊ के चारबाग स्थित रविंद्रालय में राष्ट्रीय किसान मंच के अधिवेशन में आए आप पार्टी नेता संजय सिंह ने कहा कि अफसोस है कि इस देश के अंदर बेरोजगारी और शिक्षा के सवालों पर चर्चा नहीं होती है। यहां बिजली-पानी के मुद्दे पर, किसानों की फसलों के दामों से संबंधित मुद्दों पर भी कोई चर्चा नहीं की जाती। आम आदमी पार्टी नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने इस दौरान भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले कई दिनों से टीवी चैनल पर सिर्फ यही चर्चा हो रही है कि भगवा कपड़े पहन कर फिल्म में कैसे डांस हो गया। भाजपा के तीन सांसदों ने तो भगवा पहन कर हीरोइनों के साथ डांस किया है। इस पर कोई कुछ नहीं बोल रहा है। वहीं संजय सिंह ने इस दौरान भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद सिंह को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भगवा पहनने वाले चिन्मयानंद को क्या हम सब ने नहीं देखा कि उन्होंने क्या किया। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी जिक्र करते हुए कहा कि योगी के प्रोग्राम में टॉयलेट को भगवा रंगा है, क्या ये अपमान नहीं?

चीन के मुद्दे पर विपक्ष ने किया वॉकआउट

चीन के मुद्दे पर विपक्ष दल के नेताओं ने आज कार्यवाही शुरू होते ही राज्यसभा में हंगामा शुरू कर दिया और वॉकआउट कर गए। वहीं इससे पहले केंद्र को घरते हुए खरगे ने कहा कि चीन हमारी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। इस मुद्दे पर हम चर्चा नहीं करेंगे तो और क्या चर्चा करेंगे? हम सदन में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं।

लोकसभा में कश्मीर पर चर्चा होः चौधरी

लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि आज कश्मीरी पंडित कश्मीर छोड़ रहे हैं। आतंकी कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाने के लिए उनके नामों की लिस्ट तैयार कर रहे हैं। ऐसे में सदन में जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए।

राहुल गांधी की यात्रा की 103वें दिन अलवर में हुई एंट्री

आज पहली बड़ी सभा में खरगे भी होंगे शामिल

» महिलाओं और बच्चों से मिलकर गदगद दिखे राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजस्थान। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा सोमवार को दौसा से अलवर जिले में प्रवेश कर गई है। पांच दिन दौसा जिले में रहने के बाद आज राजगढ़ से अलवर में एंटर हुई। अलवर सीमा पर स्वागत में रेड कार्पेट बिछाया गया। इधर, आज यात्रा केवल सुबह के फेज में ही चलेगी और 13 किलोमीटर का सफर तय करेगी। लंच ब्रेक के बाद अलवर के मालाखेड़ा में सभा रखी गई है। राजस्थान में यात्रा का 15वां दिन है और पहली बार राहुल की कोई जनसभा रखी गई है। ओवरऑल देखा जाए तो भारत जोड़ो यात्रा को शुरू हुए कुल 103 दिन हो चुके हैं।

आज सुबह छह बजे से बांदीकुई के कोलाना कोर्ट कैंपस से सुबह छह बजे से यात्रा शुरू हुई। सुबह 10 बजे यात्रा अलवर जिले के राजगढ़ में सुरेर की

ढाणी पहुंचेगी, जहां लंच ब्रेक रखा गया है। आज इवनिंग फेज की यात्रा नहीं होगी।

इस बीच, राहुल गांधी से मिलकर एक युवक ने रोजगार से जुड़ी परेशानी बताई तो राहुल ने साथ चल रहे प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से कहा, इसके समाधान की जिम्मेदारी आपकी है। राहुल गांव की महिलाओं से भी मिले। बड़ी संख्या में महिलाएं यात्रा के स्वागत में खड़ी थीं। राहुल गांधी ने उनसे बातचीत की, फोटो खिंचवाए। उनका हालचाल पूछा। ग्रामीण महिलाओं से घर परिवार, रोजगार और बच्चों की पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान पहुंचने के बाद आज पहली बड़ी सभा है। दोपहर बाद 2:30 बजे से अलवर के मालाखेड़ा में कांग्रेस की सभा रखी गई है। राजस्थान में यात्रा आने के बाद अब तक राहुल गांधी की नुक्कड़ सभाएं हुई हैं, लेकिन बड़ी गैदरिंग वाली जनसभा पहली बार होने जा रही है। सभा में आसपास के जिलों के अलावा प्रदेश भर से लोगों को लाया जा रहा हे। इसके लिए पार्टी नेताओं को जिम्मेदारियां दी गई हैं। भारत जोड़ो यात्रा का आज राजस्थान में 15वां दिन है। वहीं, कन्याकुमारी से इस देशव्यापी पैदल मार्च के शुरू हुए 103 दिन हो रहे हैं।

सीकर के संत नेकी महाराज से की मुलाकात

राहुल गांधी ने आज भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए सीकर के संत नेकी महाराज से मुलाकात की। यात्रा में साथ चलते हुए राहुल ने संत से पूछा कि वह कैसे साधु-संतों को कांग्रेस से जोड़ सकते हैं। राहुल के सवाल पर नेकी महाराज ने कहा कि सभी साधु-संत एक ही विचारधारा के नहीं है, सब अलग-अलग विचारधारा और मत-मतांतर को मानते हैं। नेकी महाराज ने साधु-संतों का सम्मेलन बुलाने का सुझाव दिया। सनातन संस्कृति पर चर्चा के दौरान संत ने राहुल से कहा कि वे उनकी विचारधारा से प्रभावित होकर यात्रा से जुड़े हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की भाभी का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बड़े भाई सूर्यनाथ सिंह की पत्नी का देहांत हो गया है। सोमवार को राजनाथ सिंह भाभी के अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने के लिए वाराणसी पहुंचे। राजनाथ सिंह की भाभी का अंतिम संस्कार वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर होना है।

मूल रूप से चंदौली के भभौरा गांव के रहने वाले राजनाथ सिंह तीन भाइयों में सबसे छोटे हैं। राजनाथ सिंह के बड़े भाई सूर्यनाथ सिंह की पत्नी का देहांत रविवार को हो गया था। राजनाथ सिंह की भाभी का अंतिम संस्कार वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर होना है। चीन के साथ तनातनी के माहौल में वह समय निकालकर पारिवारिक दायित्व को निभाने के लिए वाराणसी पहुंच चुके हैं।

निकाय चुनाव से पहले हाई कोर्ट के निर्णय पर टिकी सभी की नजर

संगठन की मजबूती पर सपा का फोकस

» लोकसभा चुनाव पर भी पड़ेगा निकाय चुनाव का असर

» अगर चुनाव टला तो संगठन को मजबूत करेगी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों पर ब्रेक लग गया है। सपा की नजर अब 20 दिसंबर पर टिक गई है इसी दिन हाई कोर्ट नगरीय निकाय चुनाव आरक्षण को लेकर सुनवाई कर रहा है। पार्टी को हाई कोर्ट के निर्णय का इंतजार है। यदि निकाय आरक्षण के कारण चुनाव टला तो सपा सबसे पहले संगठन को मजबूत करने में जुट जाएगी।

प्रदेश में नगरीय निकायों का कार्यकाल 12 दिसंबर से 19 जनवरी के बीच समाप्त हो रहा है। इस बार 760 नगरीय निकायों में चुनाव होना है। इसके लिए अनंतिम आरक्षण भी प्रदेश सरकार ने जारी कर दिया है। नगर निगमों के मेयर, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अध्यक्ष एवं पार्षदों के आरक्षण को लेकर ही पेंच फंस गया है। हाई कोर्ट में एक याचिका हुई जिसमें कहा गया है कि सरकार ने निकाय आरक्षण में पिछड़ों के आरक्षण में ट्रिपल टेस्ट का फार्मूला लागू नहीं किया है। हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। इस मामले की अगली सुनवाई 20 दिसंबर को होनी है।

मैनपुरी लोकसभा व खतौली विधानसभा चुनाव में मिली जीत से उत्साहित समाजवादी पार्टी को नगरीय निकाय चुनाव से भी बड़ी उम्मीदें हैं। पार्टी इस चुनाव के जरिए शहरी मतदाताओं में अपनी पैठ बनाना चाहती है। इसलिए पार्टी इस चुनाव में बड़ी तैयारी के साथ उतरने की रणनीति बना रही है। पार्टी रणनीतिकारों का मानना है कि निकाय चुनाव खत्म होने के बाद वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव आ जाएंगे। ऐसे में निकाय चुनाव का असर लोकसभा चुनाव पर भी पड़ेगा।

मोदी से मुलाकात से पहले ही सुक्खू पाए गए कोविड पॉजिटिव

» प्रधानमंत्री से मुलाकात के पहले किया गया टेस्ट

» कोविड प्रोटोकाल का करेंगे पालन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। कोविड के लक्षण के बाद सीएम की कोरोना जांच की गई थी, जिसके बाद उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इस समय मुख्यमंत्री दिल्ली में हैं और आज उनका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सुबह 11 बजे मिलने का कार्यक्रम था। लेकिन कोरोना संक्रमित होने के कारण अब पीएम से मुलाकात नहीं होगी।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह

सुक्खू हिमाचल सदन में स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। हिमाचल सदन के अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस मंजिल पर मुख्यमंत्री ठहरे हुए हैं, वहां पर किसी भी व्यक्ति के आने-जाने पर रोक लगा दी गई है। ऐसे में अब मुख्यमंत्री 4 दिन का कोविड-19 प्रोटोकाल पालन करेंगे। आज राजभवन में प्रोटेम स्पीकर चंद्र कुमार की शपथ ग्रहण समारोह में सीएम सुक्खू शामिल नहीं हो पाएंगे। पहले चंद्र कुमार की शपथ सुबह 11 बजे थी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

तेलंगाना में कांग्रेस को बड़ा झटका

प्रदेश कमेटी के एक दर्जन सदस्यों ने छोड़ा पार्टी का पद

» स्थानीय नेताओं को दरकिनार करने का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। यहां हाल ही में गठित प्रदेश कांग्रेस कमेटी के 12 सदस्यों ने पद से इस्तीफा दे दिया है। सदस्यों की ओर से दिए गए त्यागपत्र में पार्टी नेतृत्व पर स्थानीय नेताओं को दरकिनार करने का आरोप लगाया गया है।

उत्तम कुमार की ओर से आरोप लगाया गया है कि पीसीसी के 50 प्रतिशत से अधिक सदस्य ऐसे नेता हैं जो हाल ही में टीडीपी से जुड़े थे। इससे पार्टी के लिए बीते छह साल से काम कर रहे नेताओं को निराशा हाथ लगी है। पत्र में कहा गया है कि तेलंगाना में केसीआर तानाशाही शासन चला रहे हैं। केसीआर को सत्ता से बाहर करने के लिए कड़े संघर्ष की जरूरत है। तेलंगाना में इस साल के अंत में विधानसभा के चुनाव होने हैं और एक वक्त में आंध्र प्रदेश में ताकतवर रही कांग्रेस अब इन दोनों राज्यों में अपने अस्तित्व की जंग लड़ रही है।

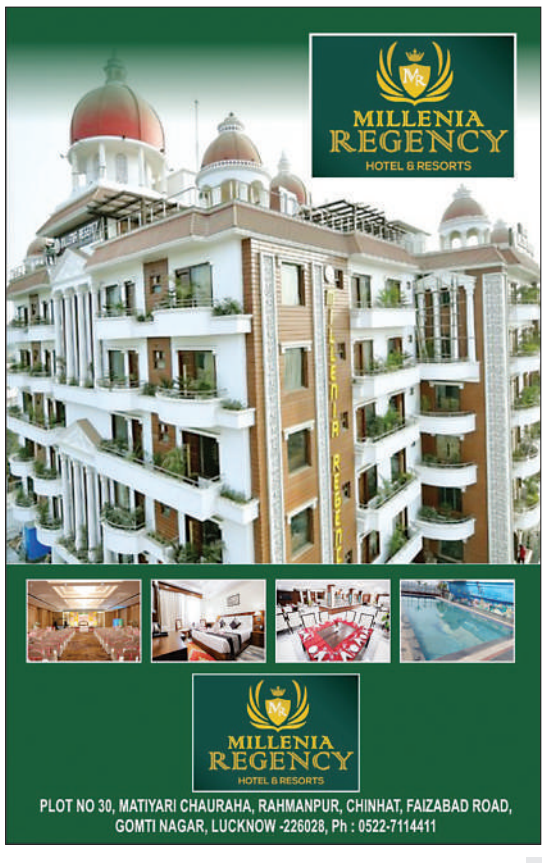

निकाय चुनाव के सहारे 2024 पर निशाना साध रहे अखिलेश

सपा को मजबूत करने की रणनीति पर जारी है मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी उपचुनाव में मैनपुरी और खतौली में मिली सफलता से समाजवादी पार्टी के हौसले काफी बुलंद है। इस जीत से उत्साहित सपा प्रमुख अखिलेश आगे की रणनीति में जुट गए हैं। अब अखिलेश की नजर उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनावों पर है। इसके लिए अखिलेश अब प्रदेश में समाजवादी पार्टी को मजबूत करने की रणनीति तैयार कर रहे हैं। इसकी शुरूआत उन्होंने पिछले पांच से अधिक सालों से चले आ रहे चाचा शिवपाल के साथ अपन सभी गिले-शिकवे भुलाकर चाचा को अपने साथ कर लिया और सपा-प्रसपा का विलय हो गया। साथ ही निकाय चुनावों को ध्यान में रखते हुए अखिलेश जमीनी स्तर से पार्टी संगठन को मजबूत करने की रणनीति बना रहे हैं। इसके लिए अब पार्टी प्रमुख जिले स्तर पर यात्रा करेंगे और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर उनसे संवाद स्थापित करेंगे।

अखिलेश का लक्ष्य जमीनी स्तर पर भी नाराज कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के गिले-शिकवे दूर करना और उन्हें फिर से पूरी तरह से पार्टी के साथ खड़ा करने का है। साथ ही अखिलेश की रणनीति जयंत और चंद्रशेखर के साथ मिलकर बने फॉर्मूले को आगे बढ़ाने और निकाय चुनावों व 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका लाभ उठाने की भी है। वहीं उपचुनाव के बाद अखिलेश अब केंद्रीय राजनीति में भी पार्टी की पकड़ को मजबूत बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसकी एक झलक तब देखने को भी मिली जब केसीआर की पार्टी के दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यालय के उद्घाटन में अखिलेश ने शिरकत की थी। ऐसे में गैर-कांग्रेसी मोर्चे में सपा की भागीदारी की भी सुगबुगाहट तेज हो गई है। इधर, अखिलेश के जिलों के कार्यक्रम भी तय होने लगे हैं।

जमीनी स्तर पर उतरेंगे अखिलेश

निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटे अखिलेश अब जमीनी स्तर पर उतरने को तैयार हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए अब प्रदेश के कुछ जिलों में अखिलेश खुद जाएंगे और लोगों से संवाद करेंगे। फिलहाल अखिलेश के दौरे अभी उन जिलों में हैं जहां विभिन्न आरोपों में सपा विधायक या कार्यकर्ता जेलों में हैं। 20 दिसंबर को सपा मुखिया कानपुर में जेल में बंद विधायक इरफान सोलंकी से मुलाकात करेंगे। इरफान पर आगजनी से लेकर फर्जीवाड़े तक के आरोप हैं। हालांकि, सपा का कहना है कि राजनीतिक बदले में कार्रवाई की जा रही है। वहीं, 22 दिसंबर को अखिलेश झांसी जाएंगे। वहां, एक अपराधी को छुड़वाने के आरोप में बंद पूर्व विधायक दीप नारायण यादव से जिला कारागार में भेंट करेंगे। अखिलेश का फोकस इन मुलाकातों के जरिए कार्यकर्ताओं व नेताओं की हिम्मत बढ़ाने पर है, जिससे सत्ता विरोधी संघर्ष और तेज किया जा सके। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अगर निकाय चुनाव में देर होती है तो इसके बाद हर जिले में अखिलेश के दौरे होंगे, जिससे संगठन को सक्रिय करते हुए चुनावी तैयारियां तेज की जा सकें।

जयंत-चंद्रशेखर के साथ आने से बढ़ेगी ताकत

वहीं बीएसपी और बीजेपी के मुस्लिम कार्ड को देखते हुए सपा के एसटी हसन को लोकसभा नेता बनाए जाने के फैसले को काफी हम माना जा रहा है। वहीं अब चाचा शिवपाल को साथ लाने से भी पार्टी का वोट बैंक बढ़ेगा और जो वोट पिछले कुछ साले से सपा से हटा था, शिवपाल के साथ आने के साथ वापस आ जाएगा। हालांकि अभी तक शिवपाल का रोल तय नहीं हो पाया है, लेकिन सूत्रों की माने तो सपा प्रमुख उन्हें संगठन का काम दे सकते हैं। इसके अलावा सपा को मजबूत करने के लिए अखिलेश का सबसे बड़ा कदम एक उचित गठबंधन भी है। इस उपचुनाव में अखिलेश ने एक कुशल गठबंधन बनाया था, जिसका फायदा उन्हें चुनाव परिणामों में देखने को भी मिला। दरअसल, इन उपचुनाव में जयंत चौधरी के साथ-साथ अखिलेश ने भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर को भी अपने साथ जोड़ लिया था। इस गठबंधन से सपा के वोट बैंक में मुस्लिम, यादव, जाट के साथ-साथ दलित भी शामिल हो गया। क्योंकि चंद्रशेखर की दलितों में एक मजबूत पकड़ देखी जा रही है। अगर चंद्रशेखर सपा गठबंधन के साथ रहते, हैं तो दलित वोटर्स को जोड़ने में अहम फैक्टर साबित हो सकते हैं। जिससे भाजपा और बसपा दोनों के खेमों में सेंध लगेगी और सपा को इसका फायदा निकाय और लोकसभा दोनों चुनाव में मिलेगा।

निकाय चुनाव के बाद होगा संगठन का पुनर्गठन

सपा ने प्रदेश से लेकर जिला स्तर की संगठनात्मक इकाइयां भंग कर रखी हैं। इनका नए सिरे से गठन होना है। फिलहाल सभी अभियान व कार्यक्रम निवर्तमान पदाधिकारियों के भरोसे चल रहे हैं। निकाय चुनाव से जुड़ी सभी बैठकों व रणनीतियों का अमल भी इनके ही जिम्मे है। पार्टी सूत्रों की मानें तो संगठन की घोषणा भी चुनाव की तारीखों पर ही टिकी हुई है। निकाय चुनाव का भविष्य फिलहाल हाई कोर्ट के नतीजे पर निर्भर है। अगर चुनाव को हरी झंडी मिल जाती है और इसकी घोषणा हो जाती है, तो पार्टी पदाधिकारियों के नाम निकाय चुनाव के बाद ही तय करेगी, जिससे चुनाव के बीच महत्वाकांक्षाओं की कोई टकराहट न पनपे। वहीं, चुनाव अगर लंबे समय तक के लिए टलता है तो पार्टी संगठन के चेहरे घोषित कर देगी जिससे आगे की चुनावी तैयारियों को और बेहतर किया जा सके।

राष्ट्रीय राजनीति में भी पकड़ मजबूत करने की कोशिश

निकाय चुनाव के साथ ही अखिलेश यादव मिशन 2024 पर भी अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और अब उनकी कोशिश देश की राष्ट्रीय राजनीति में भी सपा की छवि को मजबूत बनाने की है। इसकी एक झलक अखिलेश के केसीआर के दिल्ली में हुए पार्टी कार्यालय के उद्घाटन में भी देखने को मिली। दिल्ली में अखिलेश इस कार्यक्रम में पहुंचे और वहां से यह संदेश देने का प्रयास किया कि अब देश की राजनीति में भी समाजवादी पार्टी की स्थिति को मजबूत किया जा रहा है। भाजपा के विरुद्ध एक नया गठबंधन और तीसरा फ्रंट बनाने की चल रही जद्दोजेहद के बीच अखिलेश ने अपनी भी उपस्थिति दर्ज करा दी है। इसके अलावा लोकसभा में एसटी हसन को डिपल यादव के होने के बावजूद पार्टी का नेता बनाकर भी अखिलेश ने एक खास संदेश दिया है। दरअसल, एसटी हसन मुस्लिम होने के साथ-साथ पश्चिमी यूपी से भी आते है। इसी पश्चिमी यूपी से अखिलेश और जयंत की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया है। ऐसे में अखिलेश अब मुस्लिमों को राष्ट्रीय स्तर पर भी एक बड़ा संदेश देना चाहते हैं।

बिहार में 'जाम' पर गरमाई है सियासत

शराबबंदी कानून पर नीतीश का 'मास्टरस्ट्रोक'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के छपरा में शराब पीने से हुई लोगों की मौत की घटना का मुद्दा गर्माया हुआ है। इसको लेकर बिहार विधानसभा में लगातार जोरदार हंगामा जारी है। एक ओर विपक्ष लगातार इस मुद्दे को लेकर सरकार को घेरे रहा है, तो वहीं दूसरी ओर सत्ता पक्ष इस मामले पर झुकने को बिल्कुल भी तैयार नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जहां पहले कहा कि 'जो पिएगा, वो मरेगा ही', तो वहीं बाद में जब मुआवजे की बात कही गई तो, फिर नीतीश ने अपने अंदाज में ही बयान दिया। उन्होंने कहा कि शराब पीने वालों को कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा। ऐसे में शराब पीकर हुई मौतें और उसके बाद मुख्यमंत्री द्वारा इस तरह के बयान देने के बाद बिहार में 'शराब' पर सियासत लगातार जारी है।

इस बीच शराबबंदी कानून को लेकर भी कई तरह के सवाल खड़े किए गए। कुछ ने इस कानून को ही गलत बताया और इसे लेकर फिर सीएम नीतीश को घेरने का प्रयास किया। ऐसे में राजनीति के माहिर खिलाड़ी माने जाने वाले नीतीश कुमार ने एक ऐसा मास्टरस्ट्रोक चला कि अब विपक्ष समेत उनका अपना सहयोगी दल आरजेडी भी उस पर कुछ भी कहने की स्थिति में नजर नहीं आ रहा है। दरअसल, विवाद के बढ़ने के बाद नीतीश ने अपने ही विधायकों से पूछा कि क्या शराबबंदी कानून को वापस ले लिया जाए? मुख्यमंत्री के इस सवाल पर जेडीयू के सभी विधायकों ने एक साथ नहीं बोल दिया। इसके बाद नीतीश कुमार ने कहा कि अब इस पर अन्य दलों के विधायकों से सलाह लेंगे और पूछेंगे कि बिहार में शराबबंदी कानून लागू रखा जाए या वापस ले लिया जाए। सियासत के मझे खिलाड़ी कहे जाने वाले नीतीश के इस एक सवाल से अब विपक्ष सकते में है। वहीं राजनीतिक विशेषज्ञ नीतीश के इस कदम को एक आरजेडी और विपक्ष के लिए एक बड़ा 'चक्रव्युह' मान रहे हैं। बीजेपी हो या आरजेडी, अगर कोई भी इसे भेदने की कोशिश करेगा, वह सियासी तौर पर फंस सकता है। दरअसल, विपक्ष द्वारा शराब से हुई मौतों पर मचे हंगामे के बीच अब नीतीश के इस कदम से गेंद विपक्ष के पाले में है। क्योंकि प्रदेश में किसी भी राजनीतिक दल ने अभी तक खुले शब्दों में ये नहीं कहा कि शराबबंदी कानून को वापस ले लिया जाए। हालांकि कुछ नेता शराबबंदी कानून को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने बिहार सरकार से पूर्ण प्रतिबंध वापस करने की मांग की है। वहीं, जन सुराज यात्रा पर निकले प्रशांत किशोर ने भी शराबबंदी कानून को रद्द करने की मांग की। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी पहले से ही इस कानून के समर्थक नहीं रहे हैं। विपक्षी पार्टी बीजेपी तो पहले से ही इस कानून को असफल बताते रहती है। लेकिन खुलकर बोलने से हर दल साफ बच रहा है। ऐसे में नीतीश का ये कदम इन सभी के लिए मुश्किलें पैदा कर रहा है।

नीतीश के बुने जाल में फंसी भाजपा

नीतीश के इस जबरदस्त मास्टरस्ट्रोक से अब भाजपा के साथ-साथ सरकार में नीतीश के सहयोगी दल आरजेडी भी मुश्किलों में घिरती नजर आ रही है। दरअसल, अब ये दोनों दल नीतीश के इस सियासी जाल में फंस गए हैं। क्योंकि अब अगर शराबबंदी कानून को वापस लेने पर हामी भरी जाती है, तो ये ही होगा कि ये दल खुद नहीं चाहते कि राज्य में शराब बंद हो। वहीं अगर ये दल खुलेमुंह से बोलते हैं कि नहीं कानून को मत वापस लिया जाए, तो नीतीश के पास इनको घेरने का मौका आ जाएगा कि विपक्ष कानून को गलत और बुरा बता रहा है लेकिन वापस लेने पर अपनी सहमति नहीं दे रहा है। ऐसे में कहीं न कहीं नीतीश का ये सियासी तीर भाजपा के साथ-साथ आरजेडी और तेजस्वी के लिए भी गले की फांस बन गया है। भले ही परोक्ष रूप से दोनों इस कानून का विरोध कर रहे हैं, लेकिन खुलकर कोई नहीं कहने वाला है कि कानून को वापस लिया जाए। बिहार विधान परिषद में सम्राट चौधरी ने जिस तरह का बयान दिया है, उससे यही कयास लगाया जा सकता है। विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि हम कानून का विरोध नहीं कर रहे हैं। तेजस्वी यादव पहले से ही कह रहे हैं कि जो पियेगा, वह मरेगा ही। ऐसे में आरजेडी शराबबंदी कानून का विरोध करेगी, सवाल ही नहीं उठता।

नीतीश का सियासी 'चक्रव्यूह'

छपरा शराबकांड के बाद तो नीतीश कुमार राष्ट्रव्यापी आलोचना झेल रहे हैं। पक्ष हो या विपक्ष, दबे जुबान सरकार पर हमलावर हैं। हालांकि शराबबंदी कानून को वापस लेने की मांग खुलकर अभी तक किसी ने नहीं की है। सड़क से लेकर सदन तक हो हंगामा जरूर कर रहे हैं। मृतकों के परिजनों के मुआवजा देने की मांग जरूर कर रहे हैं, लेकिन किसी भी पार्टी के नेता ने ये नहीं कह रहा है कि शराबबंदी कानून को वापस लिया जाए। शायद यही कारण था कि नीतीश कुमार ने सबसे पहले अपने ही विधायकों का मन टटोला और पूछ दिया कि शराबबंदी कानून को वापस ले लिया जाए। दरअसल, गुरुवार को देर शाम जेडीयू विधानमंडल दल की बैठक हुई। बैठक में जेडीयू के विधायक और विधान परिषद के सदस्य शामिल हुए। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। हालांकि बैठक में सबसे अहम मुद्दा शराब ही रहा। विपक्ष का तेवर देख नीतीश कुमार ने सबसे पहले अपने ही विधायकों का मन टटोला। नीतीश कुमार के सवाल पर जेडीयू विधायकों ने एक साथ साफ शब्दों में मना कर दिया। इसके बाद नीतीश ने गेंद विपक्ष के पाले में डाल दी है।

प्रशांत की शराबबंदी कानून वापस लेने की मांग

दूसरी ओर चुनावी रणनीतिकार और बिहार में जन सुराज पदयात्रा पर निकले प्रशांत किशोर ने इस कानून को वापस लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि कानून को किसी समीक्षा की जरूरत नहीं है, उसे तुंरत वापस लिया जाना चाहिए। समय आ गया है कि मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, उनके साथ चार साल सत्ता में रही बीजेपी और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की आरेजडी सहित सभी राजनीतिक दल पाखंड छोड़ें और वोट की चिंता किए बिना फैसला करें।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

रंग पर होती 'बेशर्म' राजनीति

> देश में किसी भी पिक्चर को बनाने के बाद सेंसर बोर्ड से अनुमति लेना आवश्यक होता है और गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को शायद सेंसर बोर्ड पर यकीन नहीं है। ये देश के अजब हाल है। उधर पिक्चर का समर्थन कर रहे तमाम लोगों ने भाजपा नेता मनोज तिवारी, निरहुआ और अभिनेता अक्षय कुमार की मूवी के उन तमाम वीडियो को साझा कर दिया जिसमें वे भगवा कपड़े पहने हीरोइनों के साथ डांस करते हुए नजर आ रहे हैं।

पिछले कुछ दिनों से देश में तूफान मचा हुआ है तूफान किसी को सामाजिक सरोकारों या फिर महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर नहीं है तूफान है की दीपिका पादुकोण ने भगवा रंग की बिकिनी पठान मूवी में क्यों पहनी। देश की तमाम साधु संत और साध्वी पूजा पाठ छोड़कर न ये ध्यान देने में व्यस्त हैं कि दीपिका को किस रंग की बिकिनी पहनना चाहिए। ये उन्माद बता रहा है कि देश किस दिशा में जा रहा है। ये कोई पहला मामला नहीं है जब किसी पिक्चर को लेकर या फिर धार्मिक मुद्दों को लेकर इस तरह का विवाद सोशल मीडिया पर खड़ा किया गया हो। गाने की लाइन बेशरम रंग किस संदर्भ मे कहा गया ये समझने को कोई तैयार नहीं हैं। हर तरफ एक उन्माद का माहौल पैदा करने की कोशिशें की जा रही है। हद तो तब हो गई, जब मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा तक ने ये बयान दे दिया है कि वे देखेंगे की इस मूवी को मध्य प्रदेश में चलाने की अनुमति दी जाए अथवा नहीं।

एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से इस तरह की बातचीत की उम्मीद कभी नहीं की जा सकती। देश में किसी भी पिक्चर को बनाने के बाद सेंसर बोर्ड से अनुमति लेना आवश्यक होता है और गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को शायद सेंसर बोर्ड पर यकीन नहीं है। ये देश के अजब हाल है। उधर पिक्चर का समर्थन कर रहे तमाम लोगों ने भाजपा नेता मनोज तिवारी, निरहुआ और अभिनेता अक्षय कुमार की मूवी के उन तमाम वीडियो को साझा कर दिया जिसमें वे भगवा कपड़े पहने हीरोइनों के साथ डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। मगर बड़ा सवाल यह है कि क्या इस समय देश के पास ऐसी फालतू बातों में उलझाने के लिए समय हैं या फिर ये बातें राजनीति के लिए उन्माद पैदा करने के उद्देश्य से की जाती है।

एक तरफ देश को सीमा पर चीन लाल आंखे दिखा रहा है तो दूसरी ओर महंगाई और बेरोजगारी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। किंतु सरकार के मंत्री से लेकर संतरी तक के मुंह में इन मुद्दों पर दही जमी हुई है। सत्ताधारी जनता के तमाम मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए शायद बॉलीबुड के रंग में भंग डाल रहे हैं। इस समय जहां देश में जनता के हितों के मुद्दो पर सड़क से लेकर संसद तक चर्चा करने की जरूरत है, वहां केवल रंग की बेशर्मी को लेकर उन्माद फैलाने की कोशिशें की जा रही हैं। जनता को एक फिल्म के खिलाफ सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया जा रहा है। जोकि किसी भी रूप में देश हित में नहीं है। ऐसे में जनता से लेकर जनप्रतिनिधियों तक को जनता के हितों के बारे में सोचने और उन पर कार्य करने की जरूरत है, न की किसी रंग को लेकर आमजन को बेशर्मी फैलाने के लिए प्रेरित करने की।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

घरेलू मोर्चे पर घिरे जिनपिंग की चाल

उमेश चतुर्वेदी

बीते 23 अक्तूबर को बीजिंग में घटी एक अहम घटना और नौ दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के तवांग में हुई झड़प के बीच कोई सीधा संबंध है? इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर भले ही तमाम लोगों के पास न हो, पर चीन के उदारपंथियों और पूर्वी एशिया के कुछ थिंक टैंक को दोनों घटनाओं में रिश्ता नजर आ रहा है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संविधान में संशोधन के बाद शी जिनपिंग इसी दिन तीसरी बार राष्ट्रपति चुने गये थे। उन्हें कम्युनिस्ट पार्टी का सर्वोच्च नेता भी उसी दिन चुना गया था। बदले घटनाक्रम में जिनपिंग की ही वजह से सरकार में नंबर दो रहे ली खेचियांग को किनारे लगाया गया। पूर्व राष्ट्रपति हू जिंताओ के साथ जो हुआ, वह तो इतिहास में दर्ज हो ही चुका है।

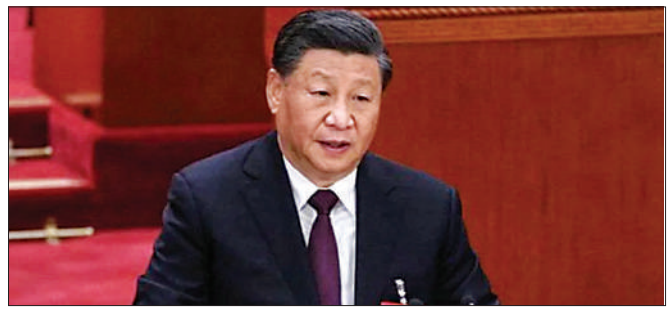

चीन अपने अभ्युदय काल से ही साम्राज्यवादी नीति पर चलता रहा है। यह संयोग ही है कि तवांग की घटना के ठीक छह दिन बाद ही सरदार पटेल की 72वीं पुण्यतिथि है। चीन के संदर्भ में पटेल की याद आना स्वाभाविक है। पटेल ने 72 वर्ष पहले ही चीन की साम्राज्यवादी नीति को भांप लिया था। ठीक एक वर्ष पहले जिस तरह चीन ने सुधार के नाम पर तिब्बत पर कब्जा जमाने की शुरुआत की थी, जिसे तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने नैतिक समर्थन दिया था, उससे पटेल चिंतित थे। चीन की साम्राज्यवादी नीति पर विचार के लिए पटेल तब कैबिनेट की बैठक बुलाना चाहते थे। इस सिलसिले में सात नवंबर, 1950 को उन्होंने नेहरू को जो लिखा था, वह एक बार फिर प्रासंगिक हो गया है। पटेल ने लिखा था, 'चीनी सरकार ने शांतिपूर्ण इरादों की अपनी घोषणाओं से हमें भुलावे में डालने का प्रयत्न किया है। मेरी अपनी भावना तो यह है कि किसी नाजुक क्षण में चीनी सरकार ने हमारे राजदूत में तिब्बत की समस्या को शांतिपूर्ण उपायों से हल करने की अपनी तथाकथित इच्छा में विश्वास रखने की झूठी भावना उत्पन्न कर दी। इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता कि चीनी सरकार अपना सारा ध्यान तिब्बत पर आक्रमण करने की योजना पर केंद्रित कर रही होगी। मेरी राय में चीनियों का अंतिम कदम विश्वासघात से जरा भी कम नहीं है। करुणता तो यह है कि तिब्बतियों ने हम पर भरोसा रखा और हमारे मार्गदर्शन में चलना पसंद किया और हम उन्हें चीनी कूटनीति के जाल से बाहर निकालने में असमर्थ रहे। हम तो चीन को अपना मित्र मानते हैं, परंतु वे हमें अपना मित्र नहीं मानते। चीन के सत्ता तंत्र में प्रधानमंत्री रहे ली खेचियांग उदारवादी माने जाते हैं। वह जिनपिंग की कठोर नीतियों के समर्थक नहीं रहे। कोरोना महामारी के दौरान चीन की आर्थिक स्थिति में गिरावट को लेकर दोनों नेताओं के बीच 2020 में अदावत बढ़ गयी थी। खेचियांग जहां खुदरा और स्ट्रीट कारोबार के जरिये चीन की गिरती आर्थिकी को संभालने की कवायत के हिमायती रहे, वहीं जिनपिंग का नजरिया इसके उलट रहा। याद कीजिए, 15 जून, 2020 की घटना। लद्दाख की सीमा से लगे गलवान घाटी में जब चीन के सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश की थी,

तब हमारे निहत्थे जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया था। इस झड़प में भारत के 22 जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे। लोकतांत्रिक भारत ने तब अपने सैनिकों के इस सर्वोच्च बलिदान को न केवल स्वीकार किया, बल्कि चीन को चेतावनी भी दी। इसके बाद चीनी सीमा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचे थे और दुनिया को भारत के मजबूत इरादे और ताकत का संदेश दिया था। इस झड़प में चीन के 45 से ज्यादा सैनिक खेत रहे थे। हालांकि, चीन ने कभी खुले तौर पर इसे स्वीकार नहीं किया। पर इसे लेकर चीन में हंगामा रहा। गलवान झड़प के लिए तब चीन के उदारपंथी जमातों के साथ ही पूर्वी एशिया के तमाम थिंक टैंक का मानना था कि जिनपिंग ने चीन में अपना प्रभाव और ताकत बढ़ाने के लिए अपनी सेना का इस्तेमाल किया। थिंक टैंक का यह भी मानना था कि चीन ऐसी घटनाओं से बाज नहीं आने वाला है। तब यह भी माना गया था कि जिनपिंग का एक मकसद अपने प्रधानमंत्री ली खेचियांग

की तरफ से चीनी जनता का ध्यान हटाना है। अगर खेचियांग की ताकत नहीं घटी, तो जिनपिंग ऐसे और कदम उठा सकते हैं। अक्तूबर में हुए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अधिवेशन में खेचियांग किनारे लगाये जा चुके हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि फिर चीन ने अरुणाचल की तवांग घाटी में ऐसा कदम क्यों उठाया, जिसमें उसके 30 से ज्यादा सैनिक घायल हुए हैं। इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए चीन के अंदरूनी हालत पर भी ध्यान दिये जाने की जरूरत है। चीन चाहे लाख इनकार करे, पर कोरोना महामारी एक बार फिर से पैर फैला रही है। इसे देखते हुए जब कठोर प्रतिबंध लगाये गये, तो लोग सड़कों पर उतर आये। जिनपिंग गद्दी छोड़ो जैसे नारे भी लगाये लगे। इस बीच चीन की अर्थव्यवस्था में गिरावट जारी है। उसकी विकास दर लगातार घट रही है।

ओढ़ने-पहनने की आदतों पर पराया फैशन हावी

निधि डुगर कुंडलिया

अभी कल ही की बात है। मैंने अपना पुराना सूटकेस खोला, जिसमें जाड़ों के लिए गर्म कपड़े थे। ढेर में ही नीचे कहीं मां का कश्मीरी शॉल था- हाथों से कड़ाई किया हुआ। उसकी गर्माहट को महसूस करते हुए मुझे अपने नाना-नानी के विंटर वार्डरोब की याद आ गई। हैदराबाद की मद्धम सर्दियों में नानाजी कुर्ते पर खादी की बंडी पहनते थे। जबकि नानी के कलेक्शन में दो पश्मीना और एक सिल्क शॉल थी, जिनसे कोई भी डाह कर सकता था। मैंने नानी की युवावस्था की तस्वीरें देखी हैं, जब वे राजस्थान में थीं। जाड़ों में वे कमखाब के पोलके, रेशमी घाघरे पहनती थीं और उस पर सूत की मोटी शॉल ओढ़ती थीं।

क्या आपने भी गौर किया कि 24 डिग्री से अधिक के आरामदेह तापमान में भी इधर कई लोग जाड़ों के हिसाब से गर्म कपड़े पहनने लगे हैं? मुम्बई तो दिसम्बर के महीने में भी ठिठुरता नहीं और पटना का मौसम भी गुलाबी सर्दियों वाला ही बना रहता है, इसके बावजूद अनेक लोग वो विंटरवियर पहने दिखाई दिए, जिन्हें अक्टूबर में ही लॉन्च कर दिया गया था। क्या इसे अपना स्टॉक खपाने की कोविड के बाद वाली तत्परता कहें? इसी बहाने मैं सोचने लगी आखिर यह कैसे हुआ कि हम नकली लेदर जैकेट्स और रेग्जीन के पफर्स पर इतने आसक्त रहने लगे? यह फास्ट-फैशन इतनी तेजी से हमारे बाजारों पर कैसे छा गई और हमारी ओढ़ने-पहनने की आदतों में इतने गहरे कैसे पैठ गई? इससे भी ज्यादा आश्चर्य की बात तो यह है कि वैसा ज्यादा मार्केटिंग के बिना ही हो गया, मानो हम ही फास्ट-फैशन अपनाने के लिए बेकरार बैठे थे।

अभी कल ही की बात है। मैंने अपना पुराना सूटकेस खोला, जिसमें जाड़ों के लिए गर्म कपड़े थे। ढेर में ही नीचे कहीं मां का कश्मीरी शॉल था- हाथों से कड़ाई किया हुआ। उसकी गर्माहट को महसूस करते हुए मुझे अपने नाना-नानी के विंटर वार्डरोब की याद आ गई। हैदराबाद की मद्धम सर्दियों में नानाजी कुर्ते पर खादी की बंडी पहनते थे। जबकि नानी के कलेक्शन में दो पश्मीना और एक सिल्क शॉल थी, जिनसे कोई भी डाह कर सकता था। मैंने नानी की युवावस्था की तस्वीरें देखी हैं, जब वे राजस्थान में थीं। जाड़ों में वे कमखाब के पोलके, रेशमी घाघरे पहनती थीं और उस पर सूत की मोटी शॉल ओढ़ती थीं। ऊनी टोपियां और जैकेट पुरुषों के लिए फैशन का साधन थीं। इसके बाद ज्यादा समय नहीं लगा, जब ऊन के स्वेटर सर्वत्र व्याप्त हो गए। कह सकते हैं कि मेरे नाना भारतीयों की उस पीढ़ी से वास्ता रखते हैं, जिसने सबसे पहले स्वेटर पहनना शुरू किए थे। 19वीं सदी तक हमारे यहां पंजाब जैसे सर्द प्रांतों में भी स्वेटर पहनने की रवायत नहीं थी। तब भी नहीं, जब हाड़ कंपाने वाली सर्दी पड़ती।

अमीर लोग तब पश्मीना ही पहनते थे, जबकि बाकी के लोग खुद को ऊनी कम्बलों में लपेटकर रखते थे। इनकी कीमतें अलग-अलग होतीं और इस पर निर्भर करतीं कि कम्बल में कितनी तहें पड़ी हैं। कुछ लोग सूत के मोटे कोट भी पहनते। औरतें अपने सलवार सूट के लिए हाथ से काते खद्दर का इस्तेमाल करतीं। यह कारखानों से निकले सूत की तुलना में अधिक मोटा और अधिक गर्मी देने वाला होता था। बुनाई की ईजाद मिस्र में हुई थी। अंग्रेज इसे अपने साथ भारत ले आए और मिशनरी स्कूलों में लड़कियों को बुनाई सिखाने लगे। सबसे पहले उन्होंने जो चीजें बनाईं, वो थीं जुराबें। 20वीं सदी आते-आते लुधियाना मशीन से बुने गए ऊनी कपड़ों का गढ़ बन गया था। जल्द ही अमीर लोग भी स्वेटर धारण किए नजर आने लगे। अलबत्ता स्वेटरों को स्त्रियों द्वारा बुना जाता था, लेकिन शुरू में उन्हें केवल पुरुष ही पहनते थे और वो भी अमीर। आमजन ने स्वेटर पहनना बाद में शुरू किया। ये मशीन के द्वारा बुने गए भी होते थे और घर पर मांओं-नानियों के द्वारा सलाइयों पर बुने हुए भी। अब फास्ट-फॉरवर्ड करके साल 2010 में आएं। बहुराष्ट्रीय ब्रांड्स की भारत में आमद हुई। तब तक हम मॉल्स और डिस्काउंटेड इम्पोर्ट शॉप्स से जाड़ों के गर्म कपड़े पहनने लगे थे, लेकिन उन ब्रांड्स ने फैशन की दुनिया को हमेशा के लिए बदल दिया। हम तब तक सर्दियां और गर्मियां-ये दो ही मौसम फैशन के लिए जानते थे, लेकिन उन्होंने 52 माइक्रो-सीन्स से हमारा परिचय कराया, यानी हर सप्ताह के लिए एक नई फैशन। उनके उत्पाद सिंथेटिक फाइबर से निर्मित थे, जिसमें इलेस्टीन, नायलॉन और एक्रिलिक विद पोलिस्टर का खासा इस्तेमाल किया गया था। इस फास्ट-फैशन का 68 प्रतिशत हिस्सा इस्तेमाल के बाद कूड़ागाहों में डम्प किया जाने लगा, जो म्युनिसिपल कॉर्पोरेशंस के लिए बड़ी समस्या बन गया। कोविड-19 में हुए नुकसान के बाद इसकी भरपाई करने का फैसला इन ब्रांड्स के द्वारा लिया गया और लगता है कि वे अपने मकसद में कामयाब रहे हैं। लेकिन हम भारतीयों को क्या हो गया है, जो अपने परम्परागत कड़ाई-बुनाई के परिधानों को छोड़कर अंतरराष्ट्रीय दुकानों के बचे हुए आइटम्स पहनकर घूमने में अपनी शान समझने लगे हैं?

हम भारतीयों को आखिर क्या हो गया है, जो अपने परम्परागत कड़ाई-बुनाई के परिधानों को छोड़कर अंतरराष्ट्रीय दुकानों के बचे हुए आइटम्स पहनकर घूमने में अपनी शान समझने लगे हैं?

खरमास में शुरू नहीं करना चाहिए नया व्यापार

हिन्दू धर्म में खरमास को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार खलमास की अवधि में कुछ कार्यों पर पूर्ण रूप से पाबंदी लग जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि व्यक्ति को खरमास की अवधि के दौरान अधिक सतर्क रहना चाहिए। साथ ही उसे कुछ चीजों को करने से बचना चाहिए। इसके साथ शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि व्यक्ति को खरमास में कोई नया व्यापार शुरू नहीं करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि धनु संक्रांति के कारण व्यक्ति को लाभ की बजाय नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए अगर आप किसी नए व्यापार को शुरू करने के विषय में सोच रहे हैं तो इसे खरमास खत्म होने तक टाल दें और 15 जनवरी के बाद इसकी शुरुआत करें। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि व्यक्ति को मलमास में नए चीजें जैसे- मकान, वाहन, कपड़े, जूते इत्यादि की खरीदारी नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने से वास्तु दोष बढ़ता है और व्यक्ति को लम्बे समय तक समस्याओं से जूझना पड़ता है।

सूर्य की गति हो जाती है धीमी

शास्त्रों के अनुसार, खरमास के जौरा सूर्य धीमी गति से आगे बढ़ते है जिसके कारण शुभ कार्यों को करने की मनाही होती है। लेकिन इस दौरान धार्मिक काम करना शुभ माना जाता है। धनु संक्रांति के साथ ही खरमास आरंभ हो जाते हैं जो मकर संक्रांति के साथ समाप्त होते है। ऐसे में सूर्यदेव की गति का असर हर राशि के जातकों के जीवन में पड़ने के साथ मांगलिक कार्यों पर पड़ता है।

खलमास में पूजा-पाठ होती है अधिक फलदाई

खरमास में भले ही मांगलिक कार्य पर रोक लग जाती है लेकिन इस अवधि में की गई पूजा-पाठ अधिक फल देती है। खरमास में सफला एकादशी का व्रत 19 दिसंबर 2022 को रखा जाएगा। एकादशी का व्रत पाप कर्मों से मुक्ति दिलाता है, सफला एकादशी व्रत के दिन भगवान विष्णु का दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से अभिषेक करें। ये उपाय धन प्राप्ति के लिए बहुत फलदायी साबित होता है। अपने नाम स्वरूप ये एकादशी साधक के हर कार्य को सफल बनाती है। इस उपाय को खरमास के हर गुरुवार के दिन भी करें।

सूर्य को दें अर्घ्य

खरमास के महीने में हर रोज सूर्य पूजा करना और आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ करना बहुत शुभ माना जाता है। कुंडली में सूर्य को मजबूत करने के लिए सूर्य देवता को अर्घ्य जरूर दें। इस दौरान ऊं भास्कराय नमः मंत्र का जाप करें। इससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

खरमास की पौराणिक कथा

पुराणों के अनुसार, भगवान सूर्य 7 घोड़ों के रथ में सवार होकर पूरे ब्राह्मण की परिक्रमा करते हैं। वह लगातार चलते रहते हैं। लेकिन एक बार घोड़ों को काफी थक गए थे और उन्हें काफी भूख और प्यास लगी। भगवान सूर्य ने घोड़े की दयनीय हालत देखी, तो वह द्रवित हो गए। रास्ते में ही वह घोड़ों को एक तालाब के किनारे ले गए। लेकिन उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं रहा कि घोड़ों के रुकते ही पूरे ब्रह्मांड में हाहाकार मच जाएगा। जब घोड़े पानी पीने लगते है तो पूरा संसार ठहर सा जाता है और कई प्रकार की मुश्किलें सामने आने लगती है। ऐसे में उन्होंने देखा कि तालाब के किनारे दो खर यानी गधे खड़े हुए है। उन्होंने तुरंत ही गधों को रथ से जोड़कर खींचना शुरू कर दिया। लेकिन गधों की गति काफी कम थी। धीमी गति के कारण जैसे तैसे पूरे एक मास में एक चक्कर पूरा कर लेते गहै। इसके बाद सूर्यदेव दोबारा घोड़ों को जोड़कर पुन तेज गति से ब्रह्मांड घूमने लगते हैं। गधों के द्वारा खींचे गए रख में पूरे एक मास लेंगे। इसी कारण इसे खरमास कहा जाता है।

खरमास में कर सकते हैं ये कार्य

अगर प्रेम विवाह या स्वयंवर का मामला हो तो विवाह किया जा सकता है। जो कार्य नियमित रूप से हो रहे हों, उनको करने में भी खरमास का कोई बंधन या दबाव नहीं है। गया में श्राद्ध भी इस अवधि में किया जा सकता है, उसकी भी वर्जना नहीं है।

हिन्दू धर्म में पौष मास का विशेष महत्व

हिन्दू धर्म में पौष मास का विशेष महत्व है। यह महीना भगवान सूर्य की उपासना के लिए उत्तम माना गया है। लेकिन आज यानि 16 दिसंबर से खरमास भी शुरू हो चुका है। जिसमें सभी प्रकार के मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है। बता दें कि खरमास धनु संक्रांति के दिन से शुरू होता है और इसका समापन मकर संक्रांति के दिन हो जाता है। ऐसे में इस अवधि में व्यक्ति को कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए और कुछ गलतियों से पूर्ण रूप से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि खरमास में की गई गलतियों के कारण व्यक्ति को लम्बे समय तक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

हंसना मना है

एक लड़की एक लड़के के साथ बैठी थी, दूसरे दिन दूसरे लड़के के साथ बैठी थी, तीसरे दिन तीसरे लड़के के साथ बैठी थी, इस कहानी से तुम्हें क्या शिक्षा मिलती है? लड़के बदल जाते हैं पर लड़कियां नहीं।

एक भिखारी को 100 का नोट मिला, वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया, 1500 रुपये का बिल आया, उसने मेनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है, मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया, भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया, इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए इन इंडिया।

टीचर: इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू: बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर: पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू: इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

पिता: पढ़ ले नालायक, कभी तूने अपनी कोई बुक खोलकर भी देखी है। बेटा: हां पापा देखी है, बल्कि रोज देखता हूं उसे। पिता: कौन सी बुक पढ़ने लगा है तू? बेटा: फेसबुक

पत्नी: सुनो मेरे मुहं में मच्छर चला गया, अब क्या करूं? पति: पगली ऑल आउट पी ले। छह सेकंड में काम शुरू।

कहानी | मूर्ख कौआ और चालाक

बहुत पहले की बात है किसी पुराने जंगल में एक कौआ रहता था। जंगल का हर कोई जानवर उससे दूर ही रहता था, क्योंकि वह अपनी कर्कश आवाज में गाता रहता था और सभी जानवर उससे परेशान रहते थे। एक दिन वह भोजन की तलाश में जंगल से दूर गांव की ओर निकल कर आ गया। किस्मत से उसे वहां एक रोटी मिल गई। रोटी लेकर वो वापस जंगल की ओर आ गया और आकर अपने पेड़ पर बैठ गया। वहीं से एक लोमड़ी जा रही थी और उसे बहुत तेज भूख लगी हुई थी। उसने कौवे के पास रोटी देखी और रोटी को किसी भी तरह खाने का विचार करने लगी। जैसे ही कौआ रोटी खाने केलिए आगे बढ़ा, तभी नीचे से लोमड़ी की आवाज आई -अरे कौआ महाराज, मैंने सुना है कि यहां पर बहुत सुरीली आवाज में कोई गाना गाता है, क्या वो आप हैं। लोमड़ी के मुंह से अपनी आवाज की तारीफ सुनकर कौआ मन ही मन बहुत खुश हुआ और अपना सिर हां में हिला दिया। इस पर लोमड़ी बोली कि क्यों मजाक कर रहे हो महाराज। इतनी मधुर आवाज में आप गा रहे थे, मैं यह कैसे मान लूं? अगर आप गा कर बताएंगे, तो मुझे यकीन हो जाएगा। कौआ लोमड़ी की बात सुनकर जैसे ही गाने केलिए अपना मुंह खोला, उसके मुंह में दबी रोटी नीचे गिर गई। रोटी नीचे गिरते ही लोमड़ी ने रोटी पर झपट्टा मारा और रोटी खाकर वहां से चली गई। भूखा कौआ लोमड़ी को देखता रह गया और अपने किए पर बहुत पछताया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मानसिक स्पष्टता के लिए भ्रम और निराशा से बचने की कोशिश करें। आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं।

वृषभ

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप ऐसा कोई काम करेंगे, जिससे आपकी तारीफ होगी। वर्किंग लोगों के लिए दिन अच्छा है। आपकी प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

मिथुन

आज व्यवस्था के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिये कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगे। आपको पारिवारिक मसले पर अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है।

कर्क

आज शान्त और तनाव-रहित रहें। आप दूसरों पर कुछ ज्यादा खर्चा कर सकते हैं। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए।

सिंह

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपको कुछ नया सीखने को मौका मिल सकता है। ऑफिस में जूनियर से आपको सहयोग प्राप्त हो सकता है।

कन्या

आर्थिक दृष्टि से यह दिन सफल रहेगा। संपत्ति से जुड़े मामले सुलझ सकते हैं। भौतिक सुख सुविधाओं की प्राप्ति होगी। संबंधित मामले आज हल होंगे।

तुला

खर्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। रिश्तेदारों के साथ बिताया गया वक्त आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक

आज आपका दिन शानदार रहेगा। सामाजिक कामकाज में आपका मन लग सकता है। आप कुछ भावुक भी हो सकते हैं। किसी जरूरी काम में दोस्तों का सहयोग मिल सकता है।

धनु

आज आपको आगे बढ़ने के कुछ नए रास्ते मिल सकते हैं। आत्मविश्वास कम न होने दें। किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं।

मकर

आर्थिक परेशानियों के चलते आपको आलोचना और वादविवाद का सामना करना पड़ सकता है- ऐसे लोगों से न कहने के लिए तैयार रहें, जो आपसे जरूरत से ज्यादा उम्मीदें लगाए हों।

कुम्भ

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आप जिस काम को करना चाहेंगे, वो काम आपके अनुसार पूरा हो जायेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा। किस्मत का साथ बना रहेगा।

मीन

आप जिस जगह नौकरी कर रहे हैं उस जगह आपको अपनी नौकरी के काम की मान-सम्मान मिलेगा और आपकी तरक्की भी हो सकती है। मानसिक व्यग्रता का अनुभव करेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

रणवीर सिंह ने सर्कस फिल्म की शूटिंग के साझा किए अनुभव

रणवीर सिंह ने अपनी फिल्म सर्कस की शूटिंग को लेकर कई सारे राज खोले और बताया कि कैसे उन्होंने रोहित शेट्टी की इस फिल्म में काम किया। फिल्म के प्रमोशन के लिए द कपिल शर्मा शो पर अपनी टीम के साथ पहुंचे रणवीर सिंह ने इस फिल्म को लेकर कई सारी बातें की और अपने अनुभव साझा किए। रणवीर सिंह ने कहा, इस फिल्म में करंट लगने वाली स्थिति की रोहित शेट्टी ने हमको बहुत सारी रिहर्सल कराई थी क्योंकि वह चाहते थे कि सीन बहुत साधारण हो क्योंकि यह एक ऐसा सीन है जिसको करने के लिए बहुत सारी चीजें ध्यान में रखनी पड़ती हैं। आगे रणवीर ने कहा, रोहित शेट्टी बहुत ही साधारण और वास्तिव बनाना चाहते थे इसीलिए हमने बहुत मेहनत की। यह बिजली का करंट लगने वाला सीन इतना आसान नहीं था कि बस हम जाएं, इलेक्ट्रिसिटी का तार पकड़ें और समझ जाएं कि कैसे एक्टिंग करनी है। बल्कि मैंने इसके लिए बहुत सारे तरीके अपनाए तब जाकर यह सीन किया।

इसके साथ ही अभिनेता ने रोहित शेट्टी की और उनके फिल्म बनाने के कौशल भी तारीफ की, साथ ही कहा कि यह फिल्म सर्कस लोगों को बहुत पसंद आएगी। रणवीर की इस सर्कस फिल्म के मुख्य कलाकारों में जैकलीन, पूजा, वरुण शर्मा, अश्वनी साहित कई सितारे शामिल हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण का एक आइटम सॉग भी है।

'बेशर्म रंग' पर विवाद के बीच दीपिका पादुकोण ने छोड़ा देश

बॉलीवुड | मसाला

बेशर्म रंग को लेकर महाराष्ट्र में नेता जहां क्रोधित है वहीं इंदौर में जमकर फिल्म के खिलाफ पुतले जलाए जा रहे हैं। पूरे देश में बॉलीवुड जगत से दीपिका के पक्ष में कई लोग खड़े हुए और पठान को लेकर जारी कॉन्ट्रोवर्सी का खंडन भी किया। ऐसे में लग रहा है कि दीपिका अब देश में रहने के मूड में नहीं है।

सोशल मीडिया पर एयरपोर्ट का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो से दीपिका पादुकोण के कतर जाने का पता लगा। बता दें कि कतर में हाल ही में फीफा वर्ल्डकप ऑर्गेनाइज किया जा रहा है। फीफा का फाइनल 18 दिसंबर 2022 को फ्रांस और अर्जेंटिना के बीच होने जा रहा है।

बता दें कि इस दौरे में दीपिका पादुकोण अकेली नहीं होंगी। उनका साथ देने के लिए बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान भी होंगे। दोनों मिलकर फीफा में अपनी अपकमिंग फिल्म पठान की प्रमोशन करने वाले हैं।

वीडियो में मीडिया पर्सन दीपिका से मैसी का ऑटोग्राफ लाने के लिए भी कहते हैं और दीपिका मुस्कुरा कर वहां से चल देती हैं। पठान के कई पोस्टर रिलीज करने के बाद पहला गाना बेशर्म रंग रिलीज किया गया।

इस एरोटिक, बोल्ड गाने में दीपिका ने भांति भांति की बिकनी पहनी थी ऐसे में उनके ऑरेंज कलर की बिकनी को लेकर विवाद जारी है। भगवा रंग की इस बिकनी ने कई लोगों की रातों की नींद उड़ा रखी है।

अवतार-2 से पहले शहजादा के टीजर ने मचाई धूम

डायरेक्टर जैम्स कैमरून की मोस्ट अवेटेड फिल्म अवतार द वे ऑफ वाटर बड़े पर्दे पर दस्तक दे चुकी है। इस फिल्म का फैंस बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। 13 साल बाद आए अवतार के इस पार्ट 2 के लिए फैंस काफी एक्साइटेड दिख रहे हैं। लेकिन फैंस की एक्साइटमेंट उस वक्त भी दोगुनी हो गई, जब सिनेमाघरों में सुपरस्टार कार्तिक आर्यन की अपकमिंग फिल्म शहजादा के टीजर को अवतार 2 की स्क्रीनिंग से पहले दिखाया गया।

16 दिसंबर शुक्रवार को जैम्स कैमरून की अवतार द वे ऑफ वाटर सिनेमाघरों में रिलीज हुई। अवतार 2 की फिल्म की स्क्रीनिंग से पहले कार्तिक आर्यन की शहजादा के टीजर को भी दिखाया गया। इस बात की जानकारी फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर शेयर किया है।

इस पोस्ट में तरण ने लिखा है कि- अवतार 2 के साथ बड़े पर्दे पर शहजादा के टीजर को जारी किया गया है। कार्तिक आर्यन की इस फिल्म ने सोशल मीडिया पर धमाल मचा रखा है। कार्तिक आर्यन की ये फिल्म साल 2023 की मोस्ट अवेडेट फिल्म की सूची में शामिल है।

मालूम हो कि कार्तिक की शहजादा अगले साल वेलेंटाइन डे के मौके पर यानी 10 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ एक्ट्रेस कृति सेनन भी लीड रोल में मौजूद हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा रॉ एजेंट बनकर करेंगे देश की सेवा

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और रश्मिका मंदाना की फिल्म मिशन मजनू का टीजर रिलीज हो गया है। देशभक्ति के रंग में एक बार फिर सिद्धार्थ मल्होत्रा मर-मिटते हुए नजर आएंगे। फिल्म में पहली बार सिद्धार्थ और रश्मिका मंदाना स्लिवर स्क्रीन पर नजर आएंगे। फिल्म का डायरेक्शन शांतनु बागची ने किया है। फिल्म मिशन मजनू के टीजर में सिद्धार्थ मल्होत्रा रॉ एजेंट के किरदार में नजर आ रहे हैं। टीजर बेहद शानदार है। टीजर में सिद्धार्थ एक्टिंग के साथ जस्टिस करते हुए नजर आ रहे हैं। टीजर में सिद्धार्थ पाकिस्तान में भारतीय जासूस बने दिख रहे हैं, जो देश के लिए कुछ भी करने को तैयार है। वहीं रश्मिका मंदाना की एक झलक देखने को मिली है।

अजब-गजब | 5 स्टार होटल से कम नहीं है इस ट्रेन के अंदर की सुविधाएं

भारत की सबसे महंगी ट्रेन में एक टिकट की कीमत 19 लाख रुपये

भारत में रेल यात्रा का आनंद तो लगभग हर किसी ने लिया होगा। यहां के खूबसूरत रास्तों और वादियों के बीच ट्रेन का सफर करना अपने में अनोखा अनुभव होता है। पर इन सबके बावजूद अगर आप फ्लाइट से ट्रेन यात्रा की तुलना करें तो फ्लाइट को ही आप ज्यादा आंकेंगे। कारण सिर्फ वक्त नहीं, सुविधाओं का भी है। ट्रेन में होने वाली गंदगी, बैठने या यात्रियों के लिए अन्य सुविधाएं भी फ्लाइट में ही बेहतर होती हैं। अगर आप भी ऐसा ही सोचते हैं तो शायद आपने कभी भारत की सबसे मंहगी ट्रेन के बारे में नहीं सुना होगा। हम बात कर रहे हैं महाराजा एक्सप्रेस की। महाराजा एक्सप्रेस भारत की सबसे महंगी ट्रेन है जिसकी देखरेख आईआरसीटीसी द्वारा की जाती है। ये एक लग्जरी ट्रेन है और इसकी सुविधाएं देखकर आप फ्लाइट को तो भूल ही जाएंगे, साथ ही आपको 5 स्टार होटल भी फीके लगने लगेंगे। इस ट्रेन में यात्रियों को बटलर की सुविधा मिलती है जबकि ये 4 अलग रूट पर 7 दिनों के लिए ट्रैवल करवाती है। 'द इंडियन पैनरोमा', 'ट्रेजर्स ऑफ इंडिया', 'द इंडियन स्प्लेंडर' और द हेरिटेज ऑफ इंडिया इस ट्रेन के अलग-अलग रूट्स हैं।

वीडियो क्रिएटर कुशाग्र ने इस ट्रेन का एक वीडियो बनाकर अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। ट्रेन के अंदर के लुक को देखकर आपको अपनी आंखों पर यकीन ही नहीं होगा। वीडियो में शख्स ने प्रेसिडेंशियल सुइट दिखाया है जिसे एक बटलर कार्ड वाली चाबी लगाकर खोलता दिख रहा है। अंदर पहले तो एक सिटिंग रूम है जिसमें सोफा, टेबल, पर्दे, लैंप, टेबल आदि रखे हैं। अंदर एक खूबसूरत बेडरूम है जिसमें टीवी से लेकर अन्य सुख सुविधाएं हैं। वॉशरूम भी होटल की तरह ही चमकता हुआ दिख रहा है। वहीं दूसरे बेडरूम में दो बिस्तर नजर आ रहे हैं। अब आपको बताते हैं कि इस ट्रेन में एक आदमी के टिकट की कितनी कीमत है। आपको 19 लाख रुपये से ज्यादा इसमें सफर करने के लिए चुकाने पड़ेंगे। इस वीडियो को 31 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि उतने दाम में वो प्रॉपर्टी खरीदना पसंद करेगा। एक ने कहा कि अगर कोई यूपीएससी क्रैक कर ले तो ट्रेन में उसके लिए अलग से एक कोच लग जाएगा। एक ने कहा कि इतने में तो आदमी फ्लैट खरीद ले। एक ने कहा कि अगर कोई ट्रेन मिस कर दे तो सोचिए उसका कितना नुकसान होगा। एक ने कहा कि इसके बदले जनरल बोगी की में डिब्बों की संख्या बढ़ा दी जाए तो गरीब लोगों के लिए आसानी हो जाएगी।

फीफा विश्वकप का मैच देखने के लिए शख्स ने हाईजैक कर ली बस

फीफा विश्व कप ने इस बात दुनिया के सभी फुटबॉल फैंस की उत्सुकता बढ़ाई रखी। दिग्गज खिलाड़ियों को हार का दुख मनाते हुए रोते देखा तो कम चर्चित खिलाड़ियों को लाइमलाइट में आते देखा। कुछ लोग तो मैच को बिल्कुल भी नहीं मिस करना चाहते और पहले से सारे काम पूरे कर ले रहे हैं। मगर उन लोगों की दीवानगी उतनी नहीं होगी जितनी अर्जेंटीना के एक फैन के अंदर पिछले दिनों देखने को मिली जब उसने मैच देखने के लिए एक बस को ही हाईजैक कर लिया। एक न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार अर्जेंटीना के Ciudad Santa María शहर में अर्जेंटीना और क्रोएशिया के सेमीफाइनल वाले दिन एक विचित्र घटना घटी। एक 53 साल का हार्डकोर फुटबॉल फैन Fraga से Avenida Ricardo Balbín के बीच बस से यात्रा कर रहा था और कुछ ही देर में मैच शुरू होने वाला था। सड़क पर ट्रैफिक ज्यादा था ऐसे में बस भी काफी रुक-रुककर चल रही थी। शख्स को लगा कि वो मैच शुरू होने तक घर नहीं पहुंच पाएगा और उससे शुरुआती मैच छूट जाएगा, इसलिए उसके दिमाग में एक खुराफात सूझी। एक ट्रैफिक लाइट पर जब बस रुकी तो ड्राइवर कोई चीज खरीदने के लिए पास की दुकान पर चला गया। तभी बस में यात्रा कर रहा व्यक्ति ड्राइवर सीट पर जा बैठा और बस को वहां से ले भागा। ड्राइवर ने तुरंत ही पुलिस को सूचना दी कि बस को हाईजैक कर लिया गया है। पुलिस ने फौरन अपनी गाड़ियां बस के पीछे दौड़ा दीं। शख्स ने अपने घर से कुछ दूर पहुंचकर बस को खड़ा कर दिया और वहां से पैदल घर की ओर जाने लगा। वो वक्त पर ही था मगर बीच रास्ते में पुलिस ने उसे रोककर पकड़ लिया। उसे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया, तब उसने पूरी बात बताई। इसके बाद पुलिस ने उसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट हाईजैक करने के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया. दुख की बात ये भी थी कि वो पूरा मैच नहीं देख पाया और अब शायद फाइनल मुकाबला भी नहीं देख पाएगा। हालांकि, उसे इस बात की तसल्ली थी कि सेमीफाइनल में अर्जेंटीना जीत गई।

जमीन बेचने के नाम पर फर्जीवाड़ा नकली कागज दिखाकर 54 लाख हड़पे

» पीड़ित की शिकायत पर एसएसपी ने कराया छह लोगों पर मुकदमा दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। गोरखपुर जिले में जमीन बेचने के नाम पर जालसाजी का मामला सामने आया है। यहां जालसाजों ने महिला के साथ मिलकर कूटरचित दस्तावेज व फर्जी जमीन दिखाकर 54 लाख 65 हजार रुपये हड़प लिए। रुपये वापस मांगने पर जालसाजों पर धमकी देने का आरोप है।

पीड़ित ने एसएसपी से मिलकर शिकायत की। एसएसपी के निर्देश पर गुलरिहा थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर जालसाजों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार गोरखनाथ के टैगोर टाउन निवासी संतोष नारायण बरनवाल ने

तहरीर में बताया है कि गुलरिहां के ठाकुरपुर नंबर एक के सेवई निवासी अमरजीत निषाद ने अपने दोस्तों अमित कुमार गुप्ता, रामकिशुन निषाद, रामजीवन निषाद, शेषनाथ के साथ बस्ती जनपद के हरैया के खेसुआ में एक जमीन दिखाई थी। वहां मिली महिला ने अपना नाम अनामिका देवी पत्नी स्व. विजय कुमार सिंह बताते हुए कहा कि पति की मौत हो चुकी है। कुछ दिनों में उसके नाम से खतौनी में जमीन चढ़ जाएगी। महिला ने 57 डिसमिल जमीन 60 लाख रुपये में तय की। थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि एसएसपी के निर्देश पर अमरजीत निषाद, रामकिशुन, जंगल भेलमपुर टोला भगवानपुर निवासी अमित कुमार गप्ता, गीडा थाना के नौसढ़ निवासी रामजीवन, चिलुआताल के जंगल नंदलाल हमीनपुर निवासी शेषनाथ एवं बस्ती जनपद के हरैया क्षेत्र के खेसुआ की रहने वाली अनामिका देवी के विरुद्ध कूटरचित फर्जी दस्तावेज देने, रुपये हड़पने और धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

जांच में फर्जी निकले कागजात

आरोपित महिला के साथ आठ फरवरी 2021 को घर पहुंच 95 हजार रुपये एडवांस के रूप में नगद ले लिए। महिला ने बाकी रुपये खाते में भेजने को कहा। संतोष ने बताया कि अलग-अलग तिथियों में खाते एवं नगदी के रूप में 54 लाख 65 हजार रुपये दे दिए। इसके बाद अमरजीत ने तहसीलदार का एक फर्जी आदेश की कॉपी देते हुए कहा कि 20 जून 2022 के बाद खतौनी में नाम चढ़ जाएगा। संतोष ने कहा कि जब आदेश की कॉपी हरैया तहसील मे जांच कराया तो फर्जी निकला। साथ ही उस गांव में जाकर पता किया तो अनामिका नाम की कोई महिला नहीं थी न ही उसकी कोई जमीन है।

ट्विटर हेड के पद से हट सकते हैं एलन मस्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एलन मस्क ने जब से 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर खरीदा है, तब से वो ही ट्विटर हेड के पद पर काबिज हैं। हालांकि अब एलन मस्क को पद से हटना पड़ सकता है। दरअसल एलन मस्क ट्विटर यूजर्स की राय के आधार पर ट्विटर हेड के पद पर बने रहना चाहते हैं। लेकिन ट्विटर यूजर्स की राय एलन मस्क को ट्विटर हेड के तौर बने रहने के पक्ष में नहीं है।

दरअसल एलन मस्क किसी भी बड़े फैसले से पहले ट्विटर यूजर्स की राय लेते हैं। ऐसा ही फैसला ट्विटर हेड को लेकर ले रहे हैं। एलन मस्क ने ट्वटिर पर एक पोल के जरिए यूजर्स से पूछा कि क्या उन्हें ट्विटर हेड पद से हट जाना चाहिए। अभी तक वोटिंग के मुताबिक 56 फीसद लोगों को मानना है कि हां, एलन मस्क को ट्विटर हेड के पद से हट जाना चाहिए। जबकि 43 फीसद लोगो मानते हैं कि एलन मस्क को ट्विटर हेड के पद पर बने रहना चाहिए। अगर आखिर तक यही ट्रेंड्स रहते हैं, तो कायदे से एलन मस्क को ट्विटर हेड के पद से हटना होगा। बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब ट्विटर के किसी फैसले को एलन मस्क ने पोल के जरिए किया है। एलन मस्क ने पोल से पूछा था कि क्या अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर बैन लगाया जाना चाहिए या नहीं।

फोटो :4 पीएम

यात्रा काकोरी के शहीदों के बलिदान दिवस पर सोमवार को राजधानी के परिवर्तन चौक से साइकिल यात्रा निकाली गई। काकोरी शहीद स्मृति यात्रा में सैकड़ों लोग शामिल हुए।

21 साल बाद मिसेज वर्ल्ड का ताज भारत को मिला

जम्मू-कश्मीर की सरगम 63 देशों में बनीं 'क्विन'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सरगम कौशल ने मिसेज वर्ल्ड का खिताब अपने नाम कर लिया है। 21 साल बाद यह ताज भारत वापस आया है। इस मुकाबले में दुनियाभर के 63 देशों की महिलाओं ने हिस्सा लिया था, जिनमें से सरगम कौशल ने जीत हासिल की है। जम्मू-कश्मीर की रहने वाली सरगम प्रोफेशन से टीचर हैं। उन्होंने नेवी के एक ऑफिसर से 2018 में शादी की है। सरगम ने अपनी कामयाबी का क्रेडिट अपने पिता और पति को दिया है।

मिसेज इंडिया पेजेंट के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर इसकी अनाउंसमेंट की गई है। यहां क्राउनिंग मोमेंट की एक झलक शेयर करते हुए लिखा गया है, लंबा इंतजार अब खत्म हुआ। 21 सालों बाद हमारे पास ये क्राउन वापस आ चुका है। बता दें कि सरगम से पहले 2001 में डॉ. अदिति गोवित्रीकर ने ये खिताब जीता था। इस पुरस्कार की जूरी पैनल में अभिनेत्री सोहा अली खान, विवेक ओबरॉय और मोहम्मद अजहरुद्दीन शामिल थे। 32 साल की सरगम कौशल जम्मू-कश्मीर की रहने वाली हैं, उन्होंने इंग्लिश लिट्रेचर में पोस्ट ग्रेजुएशन की है। सरगम विशाखापट्टनम में बतौर टीचर भी काम कर चुकी हैं। सरगम ने 2018 में शादी की थी, उनके पति इंडियन नेवी में हैं। डॉ. अदिति गोवित्रीकर ने 21 साल पहले यानी 2001 में मिसेज वर्ल्ड का खिताब हासिल किया था। अदिति ये क्राउन जीतने वाली पहली भारतीय महिला थीं। अदिति एक एक्ट्रेस भी हैं, उन्होंने भेजा फ्राई, दे दना दन, स्माइल प्लीज जैसी कई फिल्मों में काम किया है।

गाड़ियों से हजारों लीटर डीजल चोरी

» नगर निगम प्रशासन को नहीं लगी भनक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में वाहनों से भारी मात्रा में डीजल चोरी का मामला सामने आया है। जब इस वितरण की गोपनीय जांच कराई गई तो पता लगा कि बड़ी मात्रा में इसे लेकर घालमेल चल रहा था। इतना ही नहीं निगरानी कराने से हर दिन करीब ढाई हजार लीटर की बचत हुई है। माना जा रहा है कि एक हजार लीटर डीजल फागिंग के वाहनों पर खर्च होने से डेढ़ हजार लीटर डीजल की चोरी हो रही थी।

अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों के इस खेल में एक तरफ जहां नगर निगम को हर दिन करीब 1.40 का चूना लाख लगाया जा रहा था, तो वहीं दूसरी ओर शहर में कूड़ा नहीं उठ रहा था। मामला सामने आने के बाद नगर निगम के वर्कशाप (जहां से तेल वितरण होता है) के जिम्मेदार जांच के घेरे आ गए हैं। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह

ने नगर निगम में डीजल चोरी की हो रही घटनाओं पर नजर रखने के लिए अलग से टीम लगाई थी। डीजल वितरण में सख्ती की गई तो कुछ दिन में ही खपत कम दिखाई देने लगी, जबकि उतने ही वाहनों को डीजल दिया जाता रहा, जितना पहले दिया जा रहा था।

25 नवंबर को गोपनीय सूचना पर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, अपर नगर आयुक्त अभय पांडेय और पंकज सिंह के साथ डीजल पेट्रोल पंप पर छापा मारा गया। वहां पर एक पेट्रोल पंप को सील कर दिया गया था और भूतपूर्व सैनिकों को तैनात किया गया था। कुछ नए कर्मचारियों की निगरानी में डीजल का वितरण होने लगा था। जांच के दौरान एक वीडियो से कर्मचारी राकेश तिवारी और भास्कर सिंह की संलिप्तता भी सामने आई थी, जिन्हें निलंबित कर दिया गया। डीजल चोरी मामले की जांच नगर अभियंता पीके सिंह को दी गई थी। जांच में पता चला कि आरआर विभाग से हर दिन सुबह-शाम वाहनों को तेल दिया जाता है। डीजल लेने के बाद चालक वाहनों में लगे सेंसर से छेड़छाड़ कर देते हैं और इसकी जानकारी स्मार्ट सिटी में लगे सिस्टम में आ जाती थी, इसका मैसेज भी वर्कशाप से जुड़े अधिकारियों तक पहुंचाया जाता था, लेकिन हर कोई शांत था। पांच मार्च से लेकर 18 नवंबर तक करीब 85 वाहनों से तेल चोरी सेंसर में छेड़छाड़ की गई थी, जिसमे अक्टूबर नवंबर में तेल चोरी की अधिक घटनाएं शामिल थीं।

महीनों से चल रहा था धंधा

नगर आयुक्त ने माना कि तेल की अधिक खपत के बावजूद कूड़ा उठान उस हिसाब से नहीं हो रहा था। डीजल की अधिक खपत दिखाने के मामले की विस्तृत जांच कराई जाएगी। सेंसर मशीन से छेड़छाड़ कर नगर निगम में डीजल चोरी हो रही थी। मार्च से लेकर नवंबर तक यह चोरी होती रही और सेंसर मशीन के साथ हो रही छेड़छाड़ की रिपोर्ट को भी नजरअंदाज किया जा रहा था।

ठंड और कोहरे से कराहा उत्तर भारत

» दिल्ली-एनसीआर समेत यूपी, पंजाब और हरियाणा में घना कोहरा छाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। घने कोहरे और धुंध की चादर पूरे उत्तर भारत पर छाई है। रविवार रात से ही विजिबिलिटी खासी कम हो गई थी। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा तक कोहरे की मार देखने को मिल रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शीतलहर पर येलो अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के अनुसार- हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पूर्वी-पश्चिमी राजस्थान में शीतलहर चलेगी। दिल्ली-एनसीआर, यूपी और पंजाब-हरियाणा में पूरे हफ्ते घने कोहरे का अलर्ट है। लखनऊ में सोमवार सुबह इतना घना कोहरा था कि कुछ मीटर दूर देखना मुश्किल था। तापमान में अचानक गिरावट आई है। ठंड बढ़ते ही अलाव जलना शुरू हो गए हैं। आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने का अनुमान है। कोहरे की वजह से विजिबिलिटी और कम हो सकती है। अभी तक ठिठुरन, कोहरा, शीतलहर ने दिल्ली से कन्नी काट रखी थी। रविवार को यह सिलसिला टूट गया। उत्तर-पश्चिम भारत के लिए आईएमआई ने पूर्वानुमान में कहा है कि पंजाब में 22 दिसंबर तक शीतलहर की स्थिति रहेगी। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। कुछ जगहों पर घना कोहरा रह सकता है। वहीं, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पूर्वी और पश्चिमी यूपी में भी 22 दिसंबर तक कुछ जगहों पर बेहद घना कोहरा देखने को मिल सकता है। हिमाचल प्रदेश में भी 19 और 20 दिसंबर को शीतलहर का अलर्ट है। उत्तराखंड में सुबह-शाम कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग ने मैदानी जिलों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में कोहरा छाए रहने की भी संभावना है। उधम सिंह नगर से लेकर हरिद्वार और आसपास के मैदानी क्षेत्रों में शीतलहर को लेकर भी चेतावनी दी गई है। फिलहाल 25 दिसंबर तक बारिश के कोई आसार नहीं है।

यूपी में धुंध की है मोटी चादर, लखनऊ में विजिबिलिटी रही कम

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर आपस में भिड़े पांच वाहन, तीन की गई जान

कोहरे ने अपना कोहराम मचाना भी शुरू कर दिया है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ऐरवाकटरा क्षेत्र के गांव उमरैन समीप सोमवार तड़के कोहरे का पहला कहर देखने को मिला। एकाएक धुंध के चलते पांच वाहन आपस में भिड़ गए। दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही एक्सप्रेसवे की पेट्रोलिंग टीम व पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद राहत व बचाव के कार्य शुरू किया गया। घायलों को तिर्वा मेडिकल कालेज भेजा गया है। सोमवार तड़के कोहरे की धुंध के चलते विजबिलिटी लगभग शून्य थी। इसी दौरान उमरैन गांव समीप एक्सप्रेसवे पर धीरे-धीरे चल रहे ट्रक के पीछे स्लीपर बस जा टकराई। इसके पीछे से आ रही अल्टो कार भी जा भिड़ी। वहीं पीछे से आ रहा एक ट्रक क्षतिग्रस्त वाहनों से बचने के चक्कर में डिवाइडर से जा टकराया।

फोटो:4 पीएम

नमन लखनऊ में काकोरी बलिदान दिवस समारोह के समापन कार्यक्रम में वीर बलिदानी रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान व ठाकुर रोशन सिंह को डिप्टी सीएम पाठक ने किया नमन।

कर्नाटक में सावरकर की फोटो पर बवाल

» विस के बाहर धरने पर बैठे कांग्रेसी, वाल्मीकि, आंबेडकर व पटेल की तस्वीरें भी लगाने की उठाई पुरजोर मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा के हॉल में वीर सावरकर की तस्वीर लगाने पर बवाल पैदा हो गया है। इसके खिलाफ विपक्ष के नेता सिद्धारमैया व अन्य नेताओं ने विधानसभा के बाहर धरना देकर विरोध प्रकट किया।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष भाजपा चाहता है कि सदन की कार्यवाही नहीं चले, इसलिए वह खुद व्यवधान डालना चाहता है। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक डीके शिवकुमार ने कहा कि हम सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के कई मामले उठाना चाहते थे, इसलिए वे ये तस्वीर लेकर आ गए और विवाद खड़ा कर दिया। उनका विकास का कोई एजेंडा नहीं है।

कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने स्पीकर को पत्र लिखकर मांग की कि सदन में वाल्मीकि, बासवन्ना, कनक दास, बी. आर. आंबेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल व अन्य नेताओं की भी तस्वीरें लगाई जाएं। सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि वे यह हमारा विरोध नहीं, बल्कि मांग है कि अन्य समाज सुधारकों की तस्वीरें भी विधानसभा हॉल में लगाई जाएं। स्पीकर ने मनमाने ढंग से सिर्फ सावरकर की तस्वीर लगाई है। उन्होंने कहा कि मैं किसी की तस्वीर लगाने के खिलाफ नहीं हूं।

सावरकर हैं विवादित शख्सियतः सिद्धारमैया

इसके पहले कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सावरकर को विवादित शख्सियत बताया था। उनका कहना था कि इस तस्वीर के अनावरण को लेकर मुझे कोई न्योता नहीं दिया गया। ये बीजेपी का एजेंडा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सावरकर महात्मा गांधी की हत्या में शामिल थे। वे एक विवादित शख्सियत हैं। यह कोई पहला मौका नहीं है, जब देश में वीर सावरकर को लेकर विवाद खड़ा हुआ हो। इससे पहले भी कई बार उन्हें लेकर देश में विवाद खड़े हो चुके हैं। हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि देश में एक ओर वीर सावरकर हैं और दूसरी ओर महात्मा गांधी के विचारों की लड़ाई है।

बेरोजगारी व महंगाई का हो सकता है समाधान : केजरीवाल

» सीएम ने कहा- इसके पीछे साफ नियत होनी चाहिए

» पार्टी पदाधिकारियों की अधिवेशन में थपथपाई पीठ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुजरात। आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गुजरात चुनाव रिजल्ट आने के बाद खूब गदगद नजर आ रहे हैं। आप पार्टी को राजनीति में एक्टिव देख कर ऐसा लग रहा है कि वो अब हर चुनाव को खाली छोड़ना नहीं चाहती है।

गुजरात में 5 सीटें जीतने के बाद आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल चुका है। आप के संयोजक केजरीवाल की ओर से रविवार को पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन बुलाया गया। जिसमें पार्टी के पदाधिकारियों से चर्चा की साथ ही अपनी आप पार्टी का विजन भी बताया।

पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए सीएम केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में हमने दिखा दिया है कि बेरोजगारी व महंगाई का समाधान हो सकता है, लेकिन इसके पीछे साफ नियत होनी चाहिए। केजरीवाल ने दावा किया कि हमारी सरकार दिल्ली में पिछले 5 से 7 सालों के अंदर 12.30 लाख लोगों को रोजगार दिया है। वहीं सीएम ने कहा कि हाल ही में बनी पंजाब में आप की सरकार ने 21 हजार लोगों को नौकरी दे चुकी है।

केजरीवाल ने पार्टी के विजन को लेकर कहा कि मेरी पार्टी को लेकर कोई दूरगामी दृष्टी नहीं है। हां देश को 5 से 10 साल में कहां ले जाना है इसके बारे में सोचते हैं। आम आदमी पार्टी का क्लियर विजन देश को नए आयाम पर ले जाना है। भारत के सभी जाति धर्म के लोग आपस में मिल जुलकर रहे यहीं पार्टी का सही मायनों में विजन है। राष्ट्रीय अधिवेशन के बैठक में केजरीवाल ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि लोग आपस में जुड़कर काम करेंगे तो देश की उन्नति होने से कोई नहीं रोक पाएगा। भारत के सभी लोग एक परिवार की तरह हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ पार्टियां देश के टुकड़े-टुकड़े करने के बारे में सोचती हैं, वो देश का विकास नहीं चाहती हैं।

टांग खींच कर गिरा देते हैं नीचे

केजरीवाल ने कहा हम ऐसे भारत की कल्पना करते हैं जहां गरीब देशों को रोटी देने में हम सक्षम हो। शिक्षा पर जोर देते हुए केजरीवाल ने कहा कि कितनी शर्म की बात है कि मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए हमारे बच्चे विदेशों में पढ़ने जाते हैं। हमारी ऐसी विजन है कि अपने देश के अंदर टॉप टेन यूनिवर्सिटी हो और भारत दुनिया में शिक्षा का हब बने। केजरीवाल ने राजनीति के एक हिस्से को गंदा बताते हुए कहा कि देश में इतनी गंदी राजनीति है अगर कोई रिसर्च में आगे बढ़े तो उसे टांग खींच कर नीचे गिरा देते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।